Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
BD-401

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination August – 2021

B.A. Darshan, Semester : Fourth
Darshan ; Paper : First

न्याय दर्शन–2

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड–क
(दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. महर्षि गौतम के अनुसार आत्मा के नित्यत्व को प्रमाणपूर्वक सिद्ध करें।
2. देहादि से व्यतिरिक्त आत्म–तत्त्व के अस्तित्व को सप्रमाण वर्णन करें।
3. इन्द्रियों के भौतिकत्व को न्याय के अनुसार वर्णन करें।
4. बुद्धि नित्य है या अनित्य, इस संदर्भ में न्याय मत को प्रस्तुत करें।
5. बुद्धि आत्मा का गुण है या शरीरादि का, इस संदर्भ में महर्षि गौतम के मत को प्रस्तुत करें।

खण्ड–ख
(लघु–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5×5=25)**

1. बुद्धि के क्षणिकत्व का विवेचन करें।
2. महर्षि गौतम के अनुसार क्षणभङ्गवाद का परिहार करें।
3. इन्द्रियों के नानात्व को प्रमाणपूर्वक सिद्ध करें।
4. "शरीरदाहे पातकाभावात्" सूत्र की सप्रसङ्ग व्याख्या करें।
5. न्यायदर्शनानुसार स्मृति के विभिन्न निमित्तों का संक्षिप्त वर्णन करें।
6. 'ज्ञान मन का गुण नही है' इस तथ्य को न्याय के अनुसार सिद्ध करें।
7. "दर्शनस्पर्शनाभ्यामेकार्थग्रहणात्" सूत्र की व्याख्या करें।

----------x----------